

# भैंसों में गर्मी के तनाव का प्रबंधन

Dr. Anish Koul, MVSc, Veterinary Physiology

Dr. Shefali Kasiv, MVSc, Veterinary Biochemistry

Dr. Sadiya Sajad, Assistant Professor, MRCVS&RC, Jhajjar, Haryana

DOI: 10.5281/Vettoday.13947743

गर्मी के तनाव का प्रबंधन भैंसों के लिए, विशेषकर भारत जैसे गर्म पर्यावरण में, उनके स्वास्थ्य और उत्पादकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए पर्यावरणीय संशोधनों, पोषण संबंधी समायोजनों और उचित झुंड प्रबंधन प्रथाओं का संयोजन आवश्यक है। भैंसों का गहरा रंग और कम पसीने की ग्रंथियाँ होती हैं, जिससे उन्हें गर्मी को समाप्त करना कठिन होता है। इसलिए, किसान के लिए यह आवश्यक है कि वह उनके पोषण और प्रबंधन में सुधार करें ताकि भैंसों अस्वविधाजनक परिस्थितियों में भी टिक सकें।

## 1. पर्याप्त छाया और वेंटिलेशन प्रदान करें:

- यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भैंसों दिन के सबसे गर्म समय के दौरान छायादार क्षेत्रों तक पहुंच सकें।
- घर का डिजाइन इस प्रकार होना चाहिए कि उसमें उचित वेंटिलेशन की सुविधा हो ताकि हवा का आदान-प्रदान हो सके और गर्मी का निर्माण कम हो।
- पंखे और मिस्टर स्थापित करने से barns या sheds में हवा का प्रवाह और वाष्पीय शीतलन बढ़ सकता है।

## 2. जल उपलब्धता और गुणवत्ता को अनुकूलित करें:

- साफ और ठंडा पेयजल हमेशा उपलब्ध होना चाहिए ताकि निर्जलीकरण को रोका

जा सके और जल संतुलन बनाए रखा जा सके।

- पानी की troughs की संख्या जानवरों की संख्या के अनुसार होनी चाहिए ताकि भीड़ और प्रतिस्पर्धा से बचा जा सके।
- पानी के स्रोतों को नियमित रूप से साफ करें और फिर से भरें ताकि संदूषण और शैवाल की वृद्धि को रोका जा सके।

## 3. खाने की प्रथाओं को समायोजित करें:

- उच्च गुणवत्ता वाला, आसानी से पचने वाला खाद्य पदार्थ प्रदान करें जो गर्मी के तनाव के समय भैंसों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करे।
- खाना दिन के ठंडे समय, जैसे सुबह या शाम को पेश करें, ताकि भोजन ग्रहण को प्रोत्साहित किया जा सके।
- पसीने के कारण खोए गए खनिजों को पुनः प्राप्त करने और जल संतुलन में सुधार करने के लिए खाद्य पदार्थों में इलेक्ट्रोलाइट्स का पूरक करें।

## 4. गर्मी के समाधान तकनीकों को लागू करें:

- आवास क्षेत्र में छिड़काव प्रणाली या मिस्टर्स स्थापित किए जा सकते हैं ताकि भैंसों की त्वचा को भिगोया जा सके और वाष्पीय शीतलन को बढ़ावा दिया जा सके।

- गर्मी के वितरण को बढ़ाने के लिए पंखों का सामरिक उपयोग करें।
- भैंसों को ठंडा करने के लिए कीचड़ के गड्ढे या 淺 पानी की तालाबों तक पहुंच प्रदान करें।

#### 5. झुंड घनत्व और समूह प्रबंधन:

- आवास सुविधाओं में भीड़-भाड़ से बचें ताकि गर्मी के तनाव और जानवरों के बीच आक्रामकता को कम किया जा सके।
- भैंसों को आयु, आकार और सामाजिक पदानुक्रम के आधार पर समूहित करें ताकि संसाधनों और स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कम हो सके।
- जो जानवर गर्मी के तनाव या बीमारी के संकेत दिखाते हैं उन्हें अलग करें ताकि व्यक्तिगत ध्यान और उपचार मिल सके।

#### 6. जानवरों के स्वास्थ्य और व्यवहार की निगरानी करें:

- भैंसों के स्वास्थ्य पर नज़र रखें ताकि गर्मी के तनाव के संकेतों, जैसे कि बढी हुई श्वसन दर, panting, लार टपकाना, भोजन ग्रहण में कमी और गतिविधि में कमी का पता लगाया जा सके।
- नियमित स्वास्थ्य जांचें करें ताकि गर्मी से संबंधित बीमारियों की पहचान और उपचार तुरंत किया जा सके।
- शरीर की स्थिति के स्कोर, दूध उत्पादन और प्रजनन प्रदर्शन के रिकॉर्ड रखें ताकि गर्मी के तनाव के प्रभाव की निगरानी की जा सके।

#### 7. आरामदायक बिस्तर और विश्राम क्षेत्रों को प्रदान करें:

- ऐसी बिस्तर सामग्री का उपयोग करें जैसे भूसा या रेत जो कुशन प्रदान करें और शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करें।

- यह सुनिश्चित करें कि विश्राम क्षेत्र साफ, सूखे और धारा रहित हों ताकि भैंसों को विश्राम और आराम मिल सके।

#### 8. गैसिंग और व्यायाम के समय की योजना बनाएं:

- गैसिंग और व्यायाम गतिविधियों को दिन के ठंडे समय में निर्धारित करें ताकि गर्मी के संपर्क को कम किया जा सके।
- भैंसों को छायादार चरागाह क्षेत्रों या पेड़ों तक पहुंच प्रदान करें जहाँ वे सूरज से बचने के लिए आश्रय ले सकें।

इन प्रबंधन प्रथाओं को लागू करके, भारत के भैंस किसान प्रभावी रूप से अपने झुंडों पर गर्मी के तनाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं, जानवरों के स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रख सकते हैं, और गर्म और नम जलवायु में भी उत्पादन प्रदर्शन को अनुकूलित कर सकते हैं। नियमित निगरानी और प्रबंधन रणनीतियों के अनुकूलन, पर्यावरणीय स्थितियों के आधार पर, भैंसों में गर्मी के तनाव के सफल प्रबंधन के लिए आवश्यक हैं।